मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर– 342003

दिनांकः 26 सितम्बर 2014

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	26-09-14	27-09-14	28-09-14	29-09-14	30-09-14
वर्षा (मि.मी.)	0	0	0	0	0
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	34	34	34	35	35
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	24	24	24	23	23
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	2	3	2	0	0
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	68	64	58	56	52
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	38	36	32	28	28
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	10	8	11	9	9
हवा की दिशा	पश्चिम–दक्षिण–पश्चिम	पश्चिम–दक्षिण–पश्चिम	पश्चिम	पश्चिम–दक्षिण–पश्चिम	पश्चिम–दक्षिण–पश्चिम

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाह :

खरीफ की दलहनी व बाजरा फसल पक गई हो तो किसान भाई कटाई करके सुरक्षित स्थान पर रखें। बाजरा के चारे को सही तरीके से रखें जिससे आने वाले समय में चारा काम आ सके।

रबी की सरसों फसल के लिये खाली खेत व दलहनी फसल के कटाई वाले खेत में डिस्क पलाउ, हैरो व हल चलावें जिससे उस खत में नमी रहें।

सरसों की फसल के लिये खेत तैयार कर ले तथा उन्नत किस्म के बीजों की व्यवस्था करें।

पशुओं के बाड़े में मल–मूत्र, कचरे आदि के कारण पशुओं में संक्रामक रोगों व परजीवियों का प्रकोप बढ़ने का खतरा रहता है। पशुपालक हर सम्भव स्तर तक पशुआं के बाड़े की साफ–सफाई पर ध्यान दें, पानी व कीचड़ जमा न होने दें।